हार्नबिल उत्सव

भूमिका:- त्रिपुरा सरकार ने पहली बार 8 फरवरी, 2020 को दो दिवसीय हार्नबिल उत्सव के आयोजन करने का निर्णय लिया है। हालाँकि हार्नबिल उत्सव नागालैंड का महत्वपूर्ण उत्सव है, इसका आयोजन नागालैंड में दिसम्बर माह में किया जाता है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु:-

- त्रिपुरा द्वारा हार्नबिल का आयोजन हार्नबिल नामक पक्षी के संरक्षण तथा पर्यटन के द्वारा आजीविका को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर ने भी हार्नबिल उत्सव मनाना शुरू कर दिया है।
- हार्नबिल फेस्टिवल का आयोजन नागालैंड में प्रतिवर्ष 1 से 10 दिसम्बर के बीच में किया जाता है।
- यह एक सांस्कृतिक उत्सव है। इस उत्सव का नाम इंडियन हार्नबिल नामक पक्षी पर रखा गया है।
- इस उत्सव के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, खेल प्रतिस्पर्धा तथा भोजन मेले इत्यादि आयोजित किये जाते हैं। इसके अलावा चित्रकला, लकड़ी की नक्काशी तथा मृत्तिकला की प्रदर्शनी भी की जाती है।

'जलशक्ति विभाग'

भूमिका:- जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग, सिंचाई व बाढ़ नियंत्रण विभाग का नाम बदलकर 'जल शक्ति विभाग' रखा गया। यह कार्य लेफ्टिनेंट जनरल जी.सी.मुर्मू की अध्यक्षता

में प्रशासनिक परिषद द्वारा लिया गया।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- प्रशासनिक परिषद ने जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन को मंजूरी दी है, इसके तहत जम्मू-कश्मीर में दिसम्बर, 2021 तक सभी घरों को पाइप के द्वारा पेयजल द्वारा उपलब्ध करवाया जाएगा।
- इस योजना के क्रियान्वयन के लिए मिशन निदेशालय की स्थापना की जायेगी। इस योजना के शुरुआती चरण में जून 2020 तक जम्मू-कश्मीर के सातों जिलों में पाइप द्वारा 100% पेयजल की आपूर्ति की जायेगी।
- देश के आधे घरों में पाइप के द्वारा जल उपलब्ध नहीं है, इसलिए अगले 5 वर्षों में देश के सभी घरों तक पाइप के द्वारा जल पहुंचाने के लिए काफी प्रयास की आवश्यकता है। इसके लिए केंद्र और राज्य मिलकर कार्य करेंगे। गौरतलब है कि इस योजना पर 3.5 लाख करोड़ रूपये व्यय किये जायेंगे।
- इस योजना में भूमिगत जल रिचार्ज, जलवर्षा संरक्षण, घरेलु उपयोग में इस्तेमाल किये गये जल का कृषि में पुनः उपयोग करना भी शामिल है। यह मिशन स्वच्छता मिशन की भाँती एक जन आन्दोलन है, जल संरक्षण के लिए सभी लोगों को प्रयास करने की आवश्यकता है।
- सरकार ने 2024 तक देश के सभी घरों तक पाइप के द्वारा जल उपलब्ध करवाने का लक्ष्य रखा है, इसके लिए नए जल शक्ति मंत्रालय का गठन किया गया है।

'खगान्तक' नामक स्वदेशी मिसाइल

भूमिका :- भारत की एक निजी फर्म DSR डायनामिक्स ने DefExpo में 'खगान्तक' नामक स्वदेशी मिसाइल को प्रदर्शित किया है, यह मिसाइल हवा से ज़मीन पर हमला कर सकती है।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- इस मिसाइल की मारक रेंज 180 km है। इस मिसाइल का उपयोग एक गाइडेड वेपन के रूप में किया जा सकता है, इसमें अपने लक्ष्य को पहचानने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया गया है।
- इस प्रकार की मिसाइलों से 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को बढ़ावा मिलेगा तथा विदेशी रक्षा उपकरण निर्माताओं पर भारत की निर्भरता कम होगी।
- DefExpo India 2020 के इस चार दिवसीय इवेंट में भारतीय रक्षा उद्योग को अपनी क्षमता प्रदर्शित करने का मौका मिलेगा, इससे निर्यात को भी बढ़ावा मिलेगा।
- DefExpo India - 2020 की थीम "भारत - रक्षा विनिर्माण का उभरता हुआ हब" है।
- इस प्रदर्शनी का फोकस रक्षा क्षेत्र का डिजिटल परिवर्तन है। इस प्रदर्शनी में उत्तर प्रदेश को रक्षा क्षेत्र में निवेश के लिए उपयुक्त स्थान के रूप में प्रस्तुत किया जायेगा।
- इस DefExpo के द्वारा विदेशी उपकरण निर्माताओं को भारतीय रक्षा उद्योग के साथ मिलकर कार्य करने का मौका मिलेगा, इससे मेक इन इंडिया को बढ़ावा मिलेगा।

बीदर हवाई अड्डे का उद्घाटन

भूमिका :- 08 फरवरी, 2020 को सीएम बी॰एस॰ येदियुरप्पा ने एक कार्यक्रम में बीदर हवाई अड्डे को राष्ट्र को समर्पित करके बीदर के लोगों के लंबे समय के सपने को पंख दे दिए हैं।

परीक्षा उपयोगी बिन्दु :-

- मुख्यमंत्री ने शहर के बाहरी इलाके चिदोरी में हवाई अड्डे का उद्घाटन किया।
- कर्नाटक सरकार द्वारा कालाबुरागी हवाई अड्डे का उद्घाटन करने के दो महीने बाद बीदर में विकास हुआ है इसी क्षेत्र में इस उम्मीद में कि निवेश और उद्योग देश के सबसे पिछड़े क्षेत्रों को विकसित करने में मदद करेंगे।
- जीएमआर एयरपोर्ट्स ने इस सप्ताह के शुरू में क्षेत्रीय संपर्क योजना उड़ान, या उडे देश का आम नागरिक, के तहत बीदर हवाई अड्डे पर नागरिक परिक्षेत्र के संचालन और रखरखाव के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।
- कर्नाटक एक नई औद्योगिक नीति लेकर आ रहा है, जो इस महीने के अंत में नवंबर में जीआईएम के प्रस्ताव के रूप में हुबली में निवेशकों से मिलेंगे।

•By. Pankaj Bodiya.